प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

आहार, ऊर्जा एवं जल पर कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण आयोजित

पंतनगर। 15 सितम्बर 2018। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं नॉर्थ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका, के संयुक्त तत्वाधान में एक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम 'आहार, ऊर्जा और जल के अंतर्सम्बन्ध' का कल देर सायं तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डा. एच.सी शर्मा, अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा किया गया। पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा गया कि भविष्य में इस तरह की अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी का उपयोग जीवन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों में किया जा सकता है।

इस कार्यशाला के मुख्य आकर्षण नॉर्थ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी, फार्गो, अमेरिका के वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक, डा. रोबर्ट, रहे, जिन्होंने वीडियो सम्मेलन के माध्यम से अपने शोध अनुभवों को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यशाला में अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त डा. अविन्त्यबेजबरूआ द्वारा भी व्याख्यान दिया गया, जिसमें उन्होंने ऊर्जा, आहार एवं जल संवर्धन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों ने भी व्याख्यान दिये। डा. टी.के. भटटाचार्य, विभागाध्यक्ष, फार्ममशीनरी एवं प्रोडक्शन विभाग; डा. आर.के. श्रीवास्तव, प्राध्यापक, पर्यावरण विभाग; डा. एच.जे. शिव प्रसाद, सिविल अभियांत्रिकी विभाग; एवं डा. एम.जी.एच. जैदी, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग ने भी अपने शोध कार्यों को प्रशिक्षणार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

इस प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आहार, ऊर्जा और जल की गुणवत्ता पर प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यशाला में अति सूक्ष्म प्रौद्योगिकी का विभिन्न विषयों जैसे कृषि, रसायन, अभियांत्रिकी इत्यादि में उपयोग बताया गया। प्रतिभागियों को दूषित जल, और उसके श्रोतो का परिचय एवं कृषि गतिविधियों पर प्रभाव, मृदा और फसलों पर प्रदूषकों के प्रभावों का वास्तविक उदाहरण एवं जल संबंधित विषयों पर हो रहे नवीनतम अनुसंधानों एवं प्रयोगों से अवगत कराया गया। इस पाठ्यक्रम के समन्वयक विषय निदेशक, डा. एच.जे. शिव प्रसाद, है। इस प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों से छात्र एवं शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में बोलते अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक, डा. अचिन्त्यबेजबरूआ।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक